केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 270 शनिवार 25 अप्रैल 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

सड़क हादसे में युवक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । परशुरामपुर थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में 18 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया और आरोपी चालक की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के कुस्मौर डीह निवासी शिवकुमार उर्फ झिनकू (18) चौरी बाजार जा रहे थे। सिकंदरपुर–मसकनवा मार्ग पर जटौलिया गांव के पास पीछे से आ रही मिट्टी लदी तेज रफ्तार ट्रैक्टर–ट्रॉली ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

प्रमुख प्रतिनिधि रघुनाथ सिंह को दिया भावभीनी श्रद्धांजलि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी, (बस्ती)। विकास खण्ड बनकटी के सभागार में शुक्रवार को ब्लॉक प्रमुख मेवाती देवी की अध्यक्षता में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। खण्ड विकास अधिकारी भवानी प्रसाद शुक्ल के नेतृत्व में आयोजित इस सभा में क्षेत्र के प्रमुख प्रतिनिधि रहे रघुनाथ सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया।

सभा के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों, कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने रघुनाथ सिंह के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में क्षेत्र के विकास और जनसेवा में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

ब्लॉक प्रमुख मेवाती देवी ने कहा कि रघुनाथ सिंह का निधन क्षेत्र के लिए अपूर्णीय क्षति है। वहीं, खण्ड विकास अधिकारी भवानी प्रसाद शुक्ल ने उनके कार्यों को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि उनका सरल स्वभाव और जनहित के प्रति समर्पण सदैव याद रखा जाएगा।

शोक सभा में मौजूद लोगों ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य प्रदान करें।

दैनिक वॉयस ऑफ बस्ती कार्यालय का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद में पत्रकारिता के क्षेत्र में एक नई पहल के तहत "दैनिक वॉयस ऑफ बस्ती" कार्यालय का विधिवत उद्घाटन 24 अप्रैल को शुभ मुहूर्त में संपन्न हुआ। उद्घाटन कार्यक्रम में पूजा–अर्चना के साथ भगवान गणेश, माता लक्ष्मी एवं माता सरस्वती का आह्वान कर कार्यालय की शुरुआत की गई।

इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य लोग पूजा अर्चना में शामिल हुए तथा संस्था के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान मिठाई, प्रसाद वितरण किया गया और सभी अतिथियों का स्वागत किया गया।

कार्यालय के शुभारंभ के साथ ही टीम द्वारा पहली खबर लिखकर अपने कार्य की औपचारिक शुरुआत की गई। इस दौरान उपस्थित लोगों ने कहा कि यह संस्थान क्षेत्र में पत्रकारिता को नई दिशा देगा और समाज के हर वर्ग की आवाज को मंच प्रदान करेगा।

यूपी में बढाया जा सकता है ग्राम प्रधानों का कार्यकाल

लखनऊ (आभा)। यूपी पंचायत चुनाव का इंतजार कर रहे लोगों के लिए जरूरी खबर है। पंचायत चुनाव को लेकर एक और अपडेट आ गया है। अब यूपी में प्रशासक समिति के माध्यम से ग्राम पंचायत प्रधानों का कार्यकाल बढ़ाने की तैयारी की जा रही है। 26 मई को पांच साल का कार्यकाल खत्म हो रहा है। अभी तक 'समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग' नहीं बना है और मतदाता सूची भी तैयार नहीं हो पाई है। यही नहीं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव कराए जाने को लेकर न्यायालय में भी मामला विचाराधीन है।

पंचायती राज विभाग के एक्ट में

दो व्यवस्थाएं हैं। पहली ग्राम पंचायतों का पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर प्रशासक बैठाया जाता है। एडीओ (पंचायत) को प्रशासक बनाकर चुनाव न होने तक कार्य चलाया जाता है। अभी तक तो हर बार प्रशासक ही बैठाए गए हैं। वहीं दूसरी व्यवस्था यह है कि प्रशासक समिति को ग्राम पंचायत चलाने का अधिकार दिया जाए। जिसमें जनप्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाता है। जनप्रतिनिधि के तौर पर ग्राम प्रधान व पंचायत सदस्य इसमें शामिल होते हैं। ऐसे में पहली बार प्रशासक समिति को ग्राम पंचायत चलाने का जिम्मा दिया जा सकता है।

प्रशासक समिति का अध्यक्ष ग्राम प्रधान हो सकता है। ऐसे में चुनाव न होने तक ग्राम प्रधान को ही ग्राम पंचायत चलाने का जिम्मा मिल सकता है। चुनाव न होने तक कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है। फिलहाल अब 26 मई से पूर्व पंचायती राज विभाग को इन दोनों ही व्यवस्थाओं में से कोई एक व्यवस्था चुननी होगी। पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर का कहना है कि पंचायती राज एक्ट के अनुसार ही आगे कोई भी कार्यवाही बढ़ेगी। प्रशासक या प्रशासक समिति किसे जिम्मा सौंपा जाए, इस पर मंथन किया जा रहा है। क्योंकि पंचायत चुनाव कराए जाने को लेकर न्यायालय में भी मामला विचाराधीन है।

संत निरंकारी मिशन के 54 सेवादारों ने किया रक्तदान'

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मानव एकता दिवस के शुभ अवसर पर संत निरंकारी मंडल ब्रांच बस्ती द्वारा मानव सेवा और समाज कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए संत निरंकारी मिशन के तत्वावधान में शुक्रवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में कुल 64 लोगों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 54 लोगों ने रक्तदान कर मानव सेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया। यह शिविर संत निरंकारी सत्संग भवन, ब्रांच बस्ती (पाण्डेय बाजार–डुमरियागंज रोड) में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता एवं समाजसेवी जगदीश प्रसाद शुक्ला ने शिविर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि "रक्तदान महादान है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. खालिद रिजवान अहमद, प्रमुख अधीक्षक, जिला चिकित्सालय बस्ती ने कहा कि रक्तदान एक महान सेवा है, जिससे कई जरूरतमंद मरीजों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की।

मिशन के मुखी लालमन चौधरी ने बताया कि बाबा हरदेव सिंह जी महाराज के अनुसार रक्त नाड़ियों में बहे, नालियों में नहीं,इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए पर्याप्त रक्त उपलब्ध कराना है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से इस पुनीत कार्य में सहभागिता करने का आह्वान किया।

स्वर्ण व्यापारी से लूट मामले में एसपी गोण्डा को सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बभनान कस्बे के स्वर्ण व्यापारी समर के साथ हुई लूट की खुलासा के मामले में बस्ती से सर्राफा एवं स्वर्ण व्यवसाई संघ व अन्य जिलों के प्रतिनिधियों के साथ गोण्डा पुलिस कप्तान के साथ मिलकर वार्ता किया और 4 सूत्रीय मांगो का ज्ञापन सौपा।

उक्त जानकारी देते हुए अध्यक्ष कुंदन वर्मा ने कहा कि मामले के खुलासे, सीमा क्षेत्र में व्यापारियों का निर्भय अवगमन व उनकी सुरक्षा आदि पर वार्ता हुई पुलिस कप्तान ने मामले का जल्द से जल्द खुलासे एवं माल बरामदगी का आश्वासन दिया ।

जिला महामंत्री प्रभात सोनी ने घटना कि निन्दा करते हुए कहा कि बभनान बस्ती व गोण्डा दो जिलों में बटे होने के कारण अपराधी अपराध करके दूसरे जिले मे चले जाते हैं इस लिए पुलिस कुछ नहीं कर पाती।

–मामले का खुलासा, सुरक्षा व्यवस्था की मांग

युवा जिला अध्यक्ष दीपक सोनी ने कहा बस्ती जनपद मे स्वर्ण व्यवसाईयों की सुरक्षा के लिये एसपी बस्ती से मिलकर सुरक्षा के सन्दर्भ में वार्ता की जायेगी।

एसपी गोण्डा को ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से श्याम सुंदर वर्मा पूर्व चेयर मैन खलीलाबाद, घर्मेंद्र वर्मा बनारस, प्रबल मलानी अध्यक्ष नगर पंचायत बभनान, दुर्गेश सोनी अध्यक्ष नगर पंचायत मनकापुर, मंगल वर्मा, सत्य प्रकश वर्मा, जीतेन्द्र सोनी, प्रदीप सोनी, अशोक वर्मा प्रधान, गोपाल सोनी सुल्तानपुर, गौरव वर्मा, अमन वर्मा, राजू वर्मा, शिवनाथ वर्मा, व गोण्डा सर्राफ संघ के अध्यक्ष शिव कुमार वर्मा,व पीड़ित परिवार तथा अन्य स्वर्ण व्यवसाई मौजूद रहे।

स्मार्ट मीटर, बिजली संकट को लेकर भड़का आक्रोशः अधिशाषी अभियन्ता से बनाया संवाद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर में बिजली की समस्याओं को लेकर पूर्व ब्लॉक प्रमुख राना दिनेश प्रताप सिंह ने अधिशाषी अभियंता कार्यालय पहुंच कर संवाद स्थापित किया। उनके साथ सैकड़ों पीड़ित महिलाएं भी मौजूद थी। श्री राना ने बताया कि स्मार्ट मीटर से बिजली का बिल ज्यादा आने की शिकायत मिल रही है। नगर पंचायत को स्वतंत्र फीडर से जोड़ने में विभागीय लापरवाही के कारण विलंब हो रहा है। तीन वार्डों को अभी तक नगर के फीडर से जोड़ा ही नहीं जा सका है। क्षेत्र के अनेक लाइन मैन बिना पैसा लिए खराब लाइन जोड़ने नहीं आते हैं। बिजलीस छापेमारी के नाम पर उपभोक्ताओं से लाखों रुपए वसूले जा रहे हैं और सम्मानित व्यापारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है। अनेक मोहल्लों में बांस बल्ली के सहारे विद्युत आपूर्ति हो रही है जिसके कारण कभी भी अनहोनी हो सकती है। नगर ओम फिलिंग पेट्रोल पम्प के आस पास सहित अनेक मोहल्लों में ट्रांसफार्मर कम पावर का होने के कारण विद्युत सप्लाई बहुत धीमी है। अनियमित विद्युत कटौती आम हो गई है। रात्रि कालीन विद्युत व्यवस्था खराब होने पर किसी कर्मचारी अधिकारी से संपर्क नहीं हो पाता है जिससे उपभोक्ताओं को दिक्कतें होती हैं। आंबेडकर नगर वार्ड में सड़क के किनारे ट्रांसफार्मर लगाने के कारण चार पहिया वाहनों का आवागमन अवरुद्ध हो गया है। स्थाई अवर अभियंता की तैनाती अभी तक नहीं हो सकी है। घंटों चली वार्ता और मान मनौवल के बाद अधिशासी अभियंता इ० अरुण सिंह ने आश्वासन दिया कि एक सप्ताह में सभी समस्याओं का त्वरित और स्थाई निदान किया जाएगा। स्मार्ट मीटर चेक कराए जाएंगे। सभी वार्डों की समस्याओं के लिए टीम बनाकर आवश्यक विभागीय उपाय किए जाएंगे।

इस दौरान पर सभासद राजेश पाण्डेय, राज कुमार चौधरी, महिला नेता मीना निषाद सहित बड़ी संख्या में लोग आक्रोशित होकर कार्यालय में जमे रहे।

आम आदमी पार्टी को करारा झटकाः 10 में 7 भाजपा में शामिल

नई दिल्ली (आभा)। आम आदमी पार्टी को शुक्रवार को तब बड़ा झटका लगा जब राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल समेत इसके सात राज्यसभा सदस्यों ने पार्टी छोड़ दी और भाजपा का दामन थाम लिया। चड्ढा ने पाठक और मित्तल के साथ संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्यों में से दो–तिहाई ने पार्टी छोड़ दी है और वे एक गुट के रूप में भाजपा में शामिल होने जा रहे हैं। इसके बाद तीनों सांसदों ने बाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की और भाजपा में औपचारिक तौर पर शामिल हो गए।

प्रेस कॉन्फ्रेन्स में राघव चड्ढा ने बताया कि पार्टी सांसद हरभजन सिंह, विक्रमजीत सिंह साहनी, राजेंद्र गुप्ता और स्वाति मालीवाल भी आप छोड़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के कुल सात सांसद थे जिनमें से सात ने पार्टी छोड़ दी है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि अब बाकी बचे तीन सांसद कौन हैं।

सात सांसदों के दल–बदल के बाद अब राज्यसभा में आप के कुल तीन सांसद रह गए हैं। इनमें सदन के नेता संजय सिंह, नारायण दास गुप्ता और बलबीर सिंह सीचेवाल हैं।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के बाउण्ड्रीवॉल के टेण्डर में धांधली का आरोप

–पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने मुख्यमंत्री से किया मानक विहीन टेण्डर निरस्त कराने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने मुख्यमंत्री को पत्र देकर कार्यदायी संस्था उ.प्र. आवास एवं विकास परिषद द्वारा बस्ती मण्डल में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के बाउण्ड्रीवॉल के निर्माण में मानकों को दरकिनार कर निकाले गये टेण्डर की उच्चस्तरीय कमेटी गठित करके जांच कराकर टेण्डर को निरस्त कर पुनः निष्पक्ष तरीके से टेण्डर निकालने का आग्रह किया है।

विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने बताया कि इस सम्बन्ध में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव संजय प्रसाद ने अपर मुख्य सचिव बेसिक शिक्षा को संलग्न पत्र भेजकर जांच के बाद नियमानुसार कार्यवाही का निर्देश दिया है।

मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने कहा है कि कार्यदायी संस्था उ.प्र. आवास एवं विकास परिषद द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय–रामनगर, सल्टौआ, रुधौली में बाउण्ड्रीवॉल के निर्माण में टेण्डर प्रकिया में नियमों को अनदेखा कर अपने चहेते ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के लिए अलग–अलग नियम के माध्यम से टेण्डर निकाला गया है। जबकि अन्य जिलों में इसी विभाग द्वारा हर ब्लाक का टेण्डर अलग–अलग क्रमांक से निकाला गया है। बस्ती जिलें में ठेकेदार एवं विभाग की मिलीभगत से सभी टेण्डरों को सामूहिक निकाला गया है। जो नियम विरूद्ध है। जिसकी उच्चस्तरीय जांच कराकर कार्यवाही कराकर टेण्डर को निरस्त कराकर पुनः मानक पूर्वक टेण्डर कराया जाना आवश्यक है। उन्होने मानकों को दरकिनार कर निकाले गये टेण्डर की उच्चस्तरीय कमेटी गठित करके जांच कराकर टेण्डर को निरस्त कर पुनः निष्पक्ष तरीके से टेण्डर निकालने हेतु आदेशित करने का आग्रह किया है।

बस्ती चैरिटेबल ब्लड बैंक के द्वितीय स्थापना दिवस पर 35 ने किया रक्तदान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को पचपेडिया मार्ग स्थित बस्ती चैरिटेबल ब्लड बैंक का द्वितीय स्थापना दिवस संकल्पो के साथ मनाया गया। इस मौके पर 35 लोगों ने मानवता की सेवा के लिये रक्तदान किया।

स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता जगदीश शुक्ल, कुलवेन्द्र सिंह मजहबी, उप निदेशक अनुराग यादव आदि ने कहा कि मानवता की सेवा में ब्लड बैंकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। दो वर्ष की अवधि में बस्ती चैरिटेबल ब्लड बैंक ने लोगों का भरोसा जीता है। शुभम मिश्र ने आगन्तुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

रक्तदान करने वालों में मुख्य रूप से विजय सिंह, दिलीप कुमार दूबे, नित्यानन्द, राकेश सिंह, अजय चौधरी, नन्दीश्वरदत्त ओझा, अंशू, मो. शोएब, आशीष कुमार, मो. इरफान, संजय कुमार सिंह, विशाल कुमार, आशीष कुमार सिंह, अमित कुमार पाण्डेय, नागेन्द्र, कनकजीत पाण्डेय, मो. अमीर, गोपाल त्रिपाठी, अबरार अहमद, अनूप सोनी, विजय, संजय कुमार पाण्डेय, विपिन मंचन, रितेश शुक्ल आदि शामिल रहे।

कार्यक्रम में शिवम मिश्र, डा. प्रवीन श्रीवास्तव, मुकेश कुमार, डी.पी. यादव, विजय कुमार शुक्ल, रूकुमसेन, ओम प्रकाश मिश्र, संजय पाण्डेय, संदीप चौधरी के साथ ही विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक संगठनों के लोग, चिकित्सक, फार्मासिस्ट आदि उपस्थित रहे।

यशोदा एजुकेशनल एकेडमी के मेधावी बच्चों को प्रबंध समिति ने किया सम्मानित, छात्रों में बढ़ा उत्साह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा, बस्ती। यूपी बोर्ड हाई स्कूल व इंटरमीडिएट के परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद शुक्रवार को विकास क्षेत्र बहादुरपुर के भेड़वा स्थित यशोदा एजुकेशनल एकेडमी में मेधावी छात्रों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मरही माता मंदिर के पुजारी दुर्गा प्रसाद ओझा तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य दीपक दूबे ने संयुक्त रूप से मेधावी छात्रों को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। इस दौरान छात्रों के परिजनों और शिक्षकों की भी सराहना की गई, जिनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की।

हाई स्कूल की परीक्षा में रूबी राव ने 86: अंको के साथ विद्यालय में प्रथम, खुशी ने 84:अंको के साथ द्वितीय और शिवांगी विश्वकर्मा ने 83:अंको के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय का रिजल्ट 100: रहा।

मुख्य अतिथि दुर्गा प्रसाद ओझा ने कहा कि यह सफलता गुरुजनों की मेहनत, अनुशासन और छात्रों के कठिन परिश्रम व लगन का परिणाम है। उन्होंने छात्रों को आगे भी इसी तरह निरंतर प्रयास करते रहने की प्रेरणा दी और कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जिससे व्यक्ति अपने जीवन में ऊंचाइयों को छू सकता है।

विद्यालय के प्रधानाचार्य दीपक दूबे ने कहा कि मेधावी छात्रों की सफलता पूरे विद्यालय के लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि विद्यालय हमेशा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी छात्रों को बेहतर मार्गदर्शन प्रदान करता रहेगा। उन्होंने अन्य विद्यार्थियों से भी प्रेरणा लेकर कड़ी मेहनत करने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यरूप से सोनू दूबे, अवधेश मौर्य, रामसजीवन, जावेद अहमद,प्रभाकर प्रसाद, राम अवतार, सौरभ पाण्डेय, ओमप्रकाश पाण्डेय, वंदना मिश्रा, मानसी श्रीवास्तव, अनुज शुक्ला, प्रियल, शिवानी, उमाकांत, अनन्या वर्मा, अंतिमा वर्मा सहित विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाएं मौजूद रही।

विश्व हिन्दू महासंघ ने लेंसकार्ट शो रूम कर्मचारियों को लगाया तिलक, बांधा कलावा, लगे जय श्रीराम के नारे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शुक्रवार को विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के साथ महासंघ पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने कम्पनीबाग के निकट स्थित लेंसकार्ट शो रूम पर पहुंचकर कर्मचारियों के माथे पर तिलक लगाया और उनकी कलाई पर कलावा बांधने के साथ ही शोरूम के अंदर लगे ब्रांड के पोस्टरों पर भी तिलक लगाया। इस दौरान शो रूम के अंदर 'जय श्री राम' के नारे भी लगाए गए।

महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि उनका विरोध लेंसकार्ट द्वारा लागू की गई विवादित ड्रेस कोड नीति के खिलाफ है। उन्होने प्रबंधन पर एक धर्म को दूसरे के ऊपर बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुये कहा, यह एक हिंदू राष्ट्र

–लेंस कार्ट अपना विवादित निर्णय वापस ले– अखिलेश सिंह

है, अगर मालिक माफी नहीं मांगते हैं, तो लेंसकार्ट का या तो बहिष्कार किया जाएगा या इसके सभी आउटलेट बंद करा दिए जाएंगे। कहा कि कंपनी ने अपने कर्मचारियों को कार्यस्थल पर बिंदी और तिलक लगाने से मना किया था, जबकि हिजाब पहनने की अनुमति दी थी। इसे स्वीकार्य नहीं किया जायेगा। लेंसकार्ट अपना नियम तत्काल प्रभाव से वापस ले।

कम्पनीबाग स्थित लेंसकार्ट शो रूम पर पहुंचकर कर्मचारियों के माथे पर तिलक लगाने और कलावा बांधने के दौरान मुख्य रूप से विश्व हिन्दू महासंघ के विवेक श्रीवास्तव, सौरभ तिवारी, सुनील मिश्रा, बालकृष्ण सिंह, सौरभ चतुर्वेदी, दीप नारायण सिंह, अभय चौधरी, अमरदीप श्रीवास्तव, रंजीत यादव, रितिक कुमार, शिवम मिश्रा, अभिषेक वर्मा, राम सजीवन चौधरी, सुमित शुक्ला, वशिष्ठ मुनि दुबे, हीरा सेठ, सुमित शुक्ला, अजीत पाल, बजरंगी शर्मा, अमन, वैभव, अनूप आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 25 अप्रैल 2026 शनिवार

सम्पादकीय

भारी मतदान के निहितार्थ

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के पहले चरण में गुरुवार को जिस तरह करीब बानबे फीसद मतदान की खबर आई है, उससे साफ है कि इस बार वहां की जनता ने अपने मताधिकार को लेकर अपेक्षाकृत ज्यादा सजगता दिखाई है। इसका एक कारण एसआइआर की प्रक्रिया के बाद मतदाता सूची में मौजूद लोगों का अपने मताधिकार को लेकर पहले से ज्यादा सतर्क होना भी हो सकता है।

हालांकि अभी दूसरे चरण का मतदान बाकी है और आखिरी तस्वीर नतीजों के बाद साफ होगी, लेकिन राज्य में बड़ी संख्या में लोगों के वोट डालने से वंचित रह जाने को लेकर जैसे सवाल उठ रहे हैं, उनका जवाब सामने आना देश की लोकतांत्रिक परंपराओं को बचाए रखने के लिए जरूरी है। आखिर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर की प्रक्रिया के बाद जितने लोगों को मतदान के लिए अपात्र मान लिया गया और जो अपीलीय प्राधिकरण के सामने गुहार लगाने के बावजूद वोट देने से वंचित रह गए, उनके नागरिक और संवैधानिक अधिकारों को अब किस कसौटी पर रखा जाएगा!

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में एसआइआर की प्रक्रिया के बाद अब तक करीब सत्ताईस लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 का इस्तेमाल करते हुए चुनाव आयोग को निर्देश दिया था कि जिन लोगों की अपील अपीलीय प्राधिकरणों में स्वीकार कर ली जाती है, उनके लिए पूरक संशोधित मतदाता सूची जारी की जाए, ताकि अनुमति मिलने पर वे मतदान कर सकें।

शीर्ष अदालत के निर्देश के बाद यह उम्मीद जगी थी कि जो लोग मतदाता सूची से बाहर हो गए थे, उनके सामने भी अब वोट डाल सकने का एक विकल्प होगा और इस तरह सूची से बाहर होने के बाद की जटिलताओं से उनके बच सकने की गुंजाइश तैयार होगी। मगर बुधवार को आई खबर के मुताबिक मतदाता सूची से बाहर किए गए सत्ताईस लाख लोगों के आवेदनों में से सिर्फ 650 पर विचार किया गया और महज 139 को वोट देने की इजाजत मिली।

अंदाजा लगाया जा सकता है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के मद्देनजर प्राधिकरण में जिस तरह अपीलों की सुनवाई की व्यवस्था हुई, उसका उद्देश्य शायद सिर्फ औपचारिकता पूरा करना था। इस कवायद के बावजूद एसआइआर की वजह से बड़ी संख्या में जो लोग मतदान करने से वंचित रह गए, उनके बारे में अब कानूनी स्थिति क्या होगी? फिर जिन लोगों को अभी मतदाता सूची में जगह मिलने के लिए अपात्र माना गया, बाद में किन्हीं कसौटी पर उन्हें सही बताया जाएगा, उनके मौजूदा चुनाव में मतदान न कर पाने के लिए क्या किसी की जवाबदेही तय की जाएगी?

इसमें कोई दोराय नहीं कि वास्तव में अपात्र लोगों को मतदाता सूची में जगह नहीं मिलनी चाहिए। मगर एसआइआर के बाद भारी संख्या में लोगों के मताधिकार छिन जाने से यह सवाल उठा है कि क्या अब तक ये सभी लोग अवैध तरीके से वोट डालते और प्रतिनिधि ा चुनते रहे! यह बेवजह नहीं है कि विपक्षी दलों की ओर से निर्वाचन आयोग पर एसआइआर की प्रक्रिया को लेकर गैरजरूरी हड़बड़ी दिखाने और नाहक ही लाखों को लोगों को मताधिकार से वंचित करने के आरोप लगाए जा रहे हैं। यह समझना मुश्किल है कि चुनाव आयोग को ठीक उस वक्त एसआइआर कराने की जरूरत क्यों महसूस हुई, जब सिर पर चुनाव थे और मतदान के लिए अपात्र ठहराए गए लोगों को अपनी पात्रता साबित करने के लिए पर्याप्त वक्त नहीं मिला।

भरोसे का कत्ल

दिल्ली में एक अधिकारी की बेटी से बलात्कार और फिर उसकी हत्या की खबर ने एक बार फिर कानून–व्यवस्था से लेकर आपराधिक विकृतियों में बढ़ोतरी को लेकर गहरी चिंता पैदा की है। राजधानी के एक संभ्रांत इलाके में बुधवार की सुबह पीड़िता के माता–पिता किसी काम से निकलते समय घर का ताला लगाने के बाद चाबियां बाहर एक निश्चित जगह पर रख कर चले गए थे, ताकि नया घरेलू सहायक आकर अपना काम निपटा सके।

मगर इस बात की जानकारी रखने वाला उनका पुराना घरेलू सहायक घर में घुस गया। आरोपी ने न केवल अधिकारी के घर में लूटपाट की, बल्कि उनकी बेटी की हत्या भी कर दी। अधिकारी ने किसी परिचित के कहने पर करीब साल भर पहले उसे काम पर रखा था। मगर आनलाइन गेम में जुए की लत और आसपास के कुछ अन्य लोगों से उधार लेने तथा फिर न लौटाने की शिकायतें मिलने पर डेढ़ महीने पहले उसे काम से निकाल दिया था।

हालांकि आरोपी की लत और स्वभाव की वजह से उसे निकालने के बावजूद थोड़ी सावधानी बरतनी चाहिए थी, मगर अधिकारी की सहजता की वजह से आरोपी को वारदात को अंजाम देने का मौका मिल गया। यह सही है कि गलत प्रवृत्ति का शिकार होने की वजह से आरोपी आनलाइन गेम और जुए के जंजाल में उलझ गया था, मगर एक संभ्रांत इलाके में सुरक्षा की सभी दीवारों को पार कर और पुलिस की कार्रवाई से बेखौफ अगर उसने एक जघन्य अपराध किया, तो इससे उसके भीतर की आपराधिक मानसिकता और विकृतियों का भी पता चलता है। एक समस्या यह भी है कि कई बार लोग घरेलू सहायकों को काम पर रखते समय उसके बारे में पर्याप्त जानकारी हासिल करने और पुलिस से उसका सत्यापन कराने के पहलू को टालते हैं। अपराधी मानसिकता के लोग इसी कोताही या फिर भरोसे का फायदा उठाते हैं। दरअसल, दिल्ली में जघन्य अपराध करने के आरोपी ने इससे पहले राजस्थान के अलवर जिले में भी एक विवाहिता से बलात्कार किया था। पीड़ित महिला ने थाने में इसकी शिकायत भी दर्ज कराई थी। अगर समय रहते पुलिस ने आरोपी के खिलाफ ठोस कार्रवाई की होती और उसे गिरफ्तार करती, तो वह दिल्ली की घटना को अंजाम नहीं दे पाता।

नेपाली राजनीति में बेनामी सम्पत्ति का खेल

—पुष्प रंजन—

पहले सुदन ने ऐलान किया था, 'मैं राजनीति नहीं करूंगा, मंत्री नहीं बनूंगा' वो 'आरएसपी' से टिकट लेकर गोरखा–एक से चुनाव लड़े, और मंत्री भी बने। जेन–जी के जो भी मंत्री एक–एक करके नप रहे हैं, वो बालेन्द्र शाह के विरुद्ध विभीषण की भूमिका नहीं निभाएंगे, इसकी कोई गारंटी नहीं ले सकता।

नेपाल में गृहमंत्री पद त्याग चुके सुदन गुरुंग कुछ ऐसी बात बोल जाते थे, जो जेरे बहस होकर दूर तलक जाती। गुरुंग ने इंस्टाग्राम पर लिखा था, 'जब आप गरीब पैदा होते हैं, तो यह आपकी गलती नहीं होतीय लेकिन अगर आप गरीब मरते हैं, तो यह आपकी गलती होती है। सरकार में शामिल होने से पहले ध न कमाना पाप नहीं हैय सरकार में शामिल होने के बाद भ्रष्टाचार कर के धन कमाना पाप है।' सुदन गुरुंग का यह एक ऐसा फलसफा था, जो जैसे भी पैसा कमाने वालों को कुतर्क करने, और स्वयं को संतुष्ट करने का हथियार बन गया।

जेन–जी की एक और स्टार व पेशे से इंजीनियर, रक्षा बम ने सुदन गुरुंग को सलाह दी, कि वे अपने बयान को सुधारें। उन्होंने कहा, 'जो लोग अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने में असमर्थ हैं, उन्हें दोषी ठहराना आपके पद की गरिमा को कम करता है। फिल्मों के डायलॉग फिल्मों के लिए लिखे जाते हैंय असल जिंदगी अपने–आप में एक संघर्ष है।'

सुदन गुरुंग का माजी जो लोग जानते हैं, उनका भी मानना है, कि जेन–जी आंदोलन के इस सुपर स्टार ने भयानक गरीबी देखी थी। अब अरबों की संपत्ति हो गई, तो गरीबी का मजाक उड़ा रहा है। नेपाल के गोरखा जिले में जन्मा 39 साल का सुदन गुरुंग, राजनीति में आने से पहले, पार्टियों और क्लबों में डीजे का काम किया करता था। फिर काठमांडू में कुछ लोगों से जुड़कर उसने 'ओएमजी' 'नाइटक्लब' चलाना शुरू किया। इन अनुभवों ने उसे बड़े इवेंट ऑर्गनाइज करना, टीम मैनेज करना और कई तरह के लोगों से मिलना–जुलना सिखाया।

2015 के गोरखा भूकंप के बाद उनकी जिंदगी बहुत बदल गई। सोशल मीडिया का इस्तेमाल करके, सुदन ने वॉलंटियर्स जमा किये। सैकड़ों लोग खाना, रहने की जगह और मदद पहुंचाने के लिए उनके साथ जुड़ गए। यह युग बाद में 'हामी नेपाल' बना, जो युवाओं का संगठन है। 'हामी नेपाल' ने पहले आपदा राहत पर ध्यान दिया। ध रिे–धीरे कम्युनिटी वर्क, यूथ ट्रेनिंग और सिविक प्रोजेक्ट्स में भी फैल गया। इसने बाढ़, भूस्खलन और कोविड–19 संकट के दौरान पीड़ितों की मदद की।

सुदन गुरुंग की लीडरशिप में पूरे देश में युवा वॉलंटियर्स का एक मजबूत नेटवर्क बनाया। वर्ष 2025 के जेन–जी आंदोलन में, जब ओली सरकार ने सोशल मीडिया ब्लॉक कर दिया, तो 'हामी नेपाल' युवाओं के विरोध प्रदर्शनों का एपीसेंटर बन गया, जिससे पता चला कि आपदा राहत से बना एक ग्रुप कैसे शांतिपूर्ण सिविक मूवमेंट चला सकता है। लेकिन, बात सिर्फ पोलिटिकल एक्टिविजम तक सीमित नहीं थी। इस संस्था के पास अथाह पैसे आना बहस का विषय बना।

सुदन गुरुंग का गृह मंत्री बनना और मंत्रिपरिषद में वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वागले के बाद तीसरे नंबर पर रखा जाना, पार्टी में कई लोगों नागवार गुजरा। लोगों ने आपत्ति की, कि पहली बार मंत्री बने गुरुंग को इतना सीनियर पोजीशन नहीं देना चाहिए था। दो हफ्ते से भी कम समय में उनकी रैंक बदल दी गई। पहले नंबर पर प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह, दूसरे नंबर पर वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वागले, तीसरे नंबर पर विदेश मंत्री शिशिर खनाल, चौथे नंबर पर ऊर्जा मंत्री बिराज भक्त श्रेष्ठ और पांचवे नंबर पर गृह मंत्री सुदन गुरुंग को रखा गया। यह भी आगे चलकर किरकिरी का कारण बना।

सुदन गुरुंग गृह मंत्रालय के बहुत सारे आदेश इंस्टाग्राम और फेसबुक के जरिये दिये थे। पद संभालने की रात ही, उन्होंने कार्की कमीशन की रिपोर्ट के आधार पर पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और तत्कालीन होम मिनिस्टर रमेश लेखक की गिरफ्तारी के लिए दबाव डाला। इस गिरफ्तारी से हंगामा मच गया। उन्होंने फेसबुक पर लिखा, 'वादा तो वादा होता हैरु कोई भी कानून से ऊपर नहीं है, यह किसी से बदला नहीं है, यह तो बस न्याय की शुरुआत है।' ओली और लेखक की गिरफ्तारी के तुरंत बाद पूर्व ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

हालांकि, कोर्ट ने कानूनी आधार, और सबूतों की कमी का हवाला देते हुए गिरफ्तार किए गए सभी लोगों को रिहा कर दिया। इसके बवाल में सुदन गुरुंग ने इंस्टाग्राम पर जवाब दिया, 'मुझे लगा था कि मंत्री बड़े हैं, अब जब कोर्ट बड़ा लग रहा है, तो मैं कानून की पढ़ाई शुरू करूंगा।' न्यायपालिका पर देश का गृहमंत्री इस तरह की टिप्पणी करे, वह शिष्टाचार की लक्ष्मण रेखा को पार करने वाला था। गृह मंत्रालय का मुखिया सोशल मीडिया पर अरेस्ट वारंट पोस्ट कर '1, 2, 3' कहकर अरेस्ट की गिनती करना शुरू कर दे, यह किसी को भी अजीब लग सकता है।

सुदन गुरुंग ने ऐलान किया था, कि मंत्री बनने के बाद वे सरकारी गाड़ी नहीं चलाएंगे, मगर उन्होंने जो प्राइवेट गाड़ी चलाई, वह उस कंपनी की थी, जिसमें उन्होंने हवाला के पैसे लगाए थे। पहले सुदन ने ऐलान किया था, 'मैं राजनीति नहीं करूंगा, मंत्री नहीं बनूंगा' वो 'आरएसपी' से टिकट लेकर गोरखा–एक से चुनाव लड़े, और मंत्री भी बने। जेन–जी के जो भी मंत्री एक–एक करके नप रहे हैं, वो बालेन्द्र शाह के विरुद्ध विभीषण की भूमिका नहीं निभाएंगे, इसकी कोई गारंटी नहीं ले सकता। उधर, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की सर्वोच्च लीडरशिप का हाल 'समस्थ को नहीं दोष गुसाईं' जैसा है। इस पार्टी के अध्यक्ष रबी लामिछाने को वाशिंग मशीन में ड्राई क्लीन कर के कैसे 'परमहंस' बनाया जाये, इस वास्ते प्रतिनिधिसभा संचालन नियमावली मसौदा समिति ने अपनी रिपोर्ट दे दी है।

लामिछाने को पिछली सरकार के स्पीकर देवराज घिमिरे ने सस्पेंड कर दिया था, जब उन पर कोऑपरेटिव फ्रॉड केस के साथ–साथ मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप लगे थे। जमानत पर रिहा होने के बाद, लामिछाने ने स्पीकर से संसदीय बैठकों में शामिल होने की इजाजत मांगी थी। सत्तारूढ़ आरएसपी के सांसद गणेश पराजुली की अध्यक्षता वाली कमेटी द्वारा एकमत से तैयार किए गए ड्राफ्ट रेगुलेशंस के रूल 259 को इस तरह से तोड़–मरोड़कर पेश किया गया, ताकि लामिछाने के मार्ग में कोई बाधा उपस्थित न हो। ड्राफ्ट पर मंजूरी बाकी है, लेकिन उस पर 'इफ–बट' शुरू हो चुका है। मुख्य विपक्षी पार्टी, नेपाली कांग्रेस के सांसद, और रेगुलेशन ड्राफ्टिंग कमेटी के सदस्य निष्फल राय का कहना है, 'हमारी पार्टी को रूल 259, और इसके प्रावधानों पर गंभीर आपत्तियां हैं।' बाहर, बेशक विरोध हो, लेकिन संसद में ये दो–तिहाई मतों से पास कराने का खेल कर सकते हैं !

भारत नरक तो अमेरिका स्वर्ग क्यों.?

—कमलेश पाण्डेय—

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के लिए अब तक कई बार ऐसे तीखे या अपमानजनक बयान दिए हैं जिनके पश्चात उन्होंने या तो रुख बदल दिया या सॉफ्ट स्टेटमेंट जारी करके अपनी बात पर 'यू टर्न' लेकर साफ साफ मुकर जैसा अंदाज दिखाया है। हाल ही में फिर उन्होंने 'नरक जैसा देश' वाला बयान दिया और फिर यू टर्न ले लिया। उनका रवैया दुनिया का थानेदार समझे जाने वाले सर्वाधिक विकसित और धनी देश अमेरिका के शालीन, सभ्य और सुसंस्कृत होने पर सवालिया निशान लगाने को काफी है। खासकर भारत के खिलाफ जिसका अंतर्राष्ट्रीय आचरण सदैव मर्यादित रहता आया है। भारत पैसे वालों की कद्र नहीं करता, क्योंकि यह तो देशी–विदेशी अपराधियों और वेश्याओं के पास भी खूब होता है, लेकिन सामाजिक प्रतिष्ठा बिल्कुल नहीं होती। ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका इसी फूहड़ता से ग्रसित है, अभिशप्त है और अंतर्राष्ट्रीय गुंडई में इतना आगे निकल चुका है कि उसके मित्र देश भी उसके साथ खड़े होने में परहेज कर रहे हैं और उसे यूज एंड थ्रो कर रहे हैं। ईरान–अमेरिका युद्ध ने अमेरिका की पूरी मिट्टी पलीद कर दी है और उसके डीप स्टेट की जो भद्द पिटी है, वैसा कोई उदाहरण अन्यत्र नहीं मिलता। शायद इसी खीझ का नाता ट्रंप के नारकीय विवाद से है।

आइए, जानते हैं कि सबसे हाल का विवाद 24 घंटे में ही कैसे दोनों ध्रुवों पर घूम गया, जब भारतीय विदेश मंत्रालय ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक रेडियो होस्ट माइकल सैवेज के पॉडकास्ट का हिस्सा शेयर किया, जिसमें भारत और चीन जैसे देशों को "नरक" (मिससीवसमे ध्मिसस वद मंतजी) जैसी जगह बताया गया। इस पोस्ट में भारतीयों के बारे में नस्लवादी टिप्पणी भी थी कि भारतदूचीन से लोग अमेरिका आते हैं बस यहीं बच्चे पैदा करने के लिए ताकि उन्हें तुरंत अमेरिकी नागरिकता मिल जाए, जो भारतीय डिप्लोमैसी और जनता के लिए बेहद अपमानजनक माना गया।

फिर अगले ही नए बयान में ट्रंप ने रुख पूरी तरह बदल दिया, क्योंकि समझ में आ गया कि ये मोदी का भारत है, चुपचाप उल्टा लटका देगा। कोई काम नहीं आएगा, जब कूटनीतिक शतरंज की एक चाल चल देगा तो। लिहाजा, उन्होंने जनता के बीच और अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता के जरिए कहा कि भारत "एक महान देश" (हतमंज बवनद. जतल) है, "मजबूत और महान राष्ट्र" है और भारत के शीर्ष नेता (प्रध ानमंत्री मोदी) के साथ उनकी "निजी दोस्ती" है। काबिलेगौर है कि इस तरह 24 घंटे के अंदर वही शख्स जो भारत को "तंक जव कमंस्पजी" या नरक जैसी जगह कह चुके थे, उसी देश की तारीफ में बोलने लगे, जिसे राजनीतिक यू टर्न और दबाव में बदला गया माना जा रहा है।

अब इनकी टैरिफ और "टैरिफ किंग" वाली पुरानी टिप्पणी को स्मरण करा देते हैं। इसके अलावा ट्रंप ने व्यापार के मसले पर भी दोहरा अपना बयान दिया है। अपने कई इंटरव्यू और भाषणों में उन्होंने भारत को "टैरिफ किंग" कहा है, और यह कहा है कि भारत दुनिया में सबसे ज्यादा शुल्क लगाने वाले देशों में से एक है, जिससे अमेरिकी उत्पादों को नुकसान होता है। इसी क्रम में उन्होंने भारत पर जवाबी टैरिफ लगाने की धमकी भी दी, लेकिन एक ही हवन में ही यह भी कहा कि भारत के साथ "बहुत अच्छे संबंध" हैं, यानी एक ही बयान में औपचारिक तारीफ और व्यावहारिक धमकी दोनों। निष्कर्षन के तौर पर पैटर्न यह दिखता है कि ट्रंप ने भारत के लिए एक बार नफरत भरी, नस्लवादी, "नरक जैसा देश" वाली भाषा इस्तेमाल की, और फिर तुरंत मिटाने के लिए भारत को "महान देश" और प्रधानमंत्री मोदी को "अपना दोस्त" कहकर मुकर जैसा कर दिया। वहीं, व्यापार के मोर्चे पर भारत को "टैरिफ किंग" और हानिकारक बताने के साथ साथ राजनयिक रूप से "अच्छे रिश्ते" बताकर दोहरा रुख अपनाया है। इसी प्रकार ट्रंप भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड इकॉनमी भी करार दे चुके हैं टैरिफ वार की खींझ में। उनके इस रवैये से भारत का आविश्वास अमेरिका और उनके प्रति बढ़ा है।

स्पष्ट है कि अमेरिका के सफल बिजनेसमैन और शातिर राजनेता से राष्ट्रपति बने डॉनल्ड ट्रंप अपने सिरफिरे विचारों के लिए जाने जाते हैं, लेकिन जब से वो डीप स्टेट के हाथों का खिलौना बने, अपने अनाप–शनाप और अदूरदर्शिता भरे फैसलों से अंतरराष्ट्रीय जगत में अमेरिका की थू–थू करवा रखी है। पहले ट्रेड वार और अब सैन्य वार के बाद उसकी जो अंतरराष्ट्रीय फजीहत हुई है, उसके जैसे सो कॉल्ड देश ताकतवर की कलई खुल गई। यूक्रेन से शुरू हुई कूटनीतिक दोगलागिरी ईरान पहुंचते–पहुंचते न केवल चारो खाने चित्त हो गई, बल्कि आज अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की बयानबाजी अब समझदार लोगों के लिए कोई मायने नहीं रखी। कभी वह भारत को फ्रेंड इकोनॉमीय बताते हैं, तो कभी नरक जैसा देश! शायद इसलिए कि भारतीय नेतृत्व उनके इशारों पर नहीं थिरक रहा है, जिससे रूस–चीन भी उसे भाव देना बंद कर चुके हैं।

दुनिया का थानेदार अमेरिका को बेनेजुएला के राष्ट्रपति को गिरफ्तार करने के बाद जब कड़ी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया नहीं मिली तो उसने यह समझ लिया कि रूस–चीन भी उससे डरे हुए हैं। इसी उत्साह में अमेरिका ने इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर धावा बोल दिया और महज दो माह के भीतर ही परेशान हो उठा। इससे ईरान–रूस–चीन की संयुक्त ताकत का उसको एहसास हुआ। वहीं इसी मुद्दे पर नाटो में फूट भी पड़ गई और यूरोप तटस्थ बन गया। इसी बौखलाहट में ट्रंप भारत और चीन को नरक जैसा बताने लगे।

बताते चलें कि भारत और चीन जैसी प्राचीन सभ्यताओं को ेनरकष बताने का संदर्भ हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक विवादित सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने जन्मसिद्ध नागरिकता (इपतजीतपहीज बपजप. मदीपच) के मुद्दे पर भारत–चीन को षेमससीवसमष कहा। यह बयान ट्रंप की इमीग्रेशन पॉलिसी से प्रेरित है, जहां वे आरोप लगाते हैं कि इन देशों से प्रवासी अमेरिका की सुविधाओं का दुरुपयोग करते हैं। जबकि ऐतिहासिक वास्तविकता कुछ और है, जो कई मायने में गौरवशाली भी है। वास्त में, भारत और चीन दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यताएं हैं जिन्होंने ज्ञान, संस्कृति और व्यापार में दुनिया को प्रभावित कियाकृचीन भारत को कभी ष्नरकष मानता था। जबकि अमेरिका की कोई प्राचीन सभ्यता नहीं हैय यहां माया–इंका जैसी मूल निवासी सभ्यताएं 3000 ईसा पूर्व की हैं, लेकिन आधुनिक अमेरिका 15वीं शताब्दी के बाद यूरोपीय उपनिवेशवाद से उभरा है। अब तो यूरोप भी उससे दूर होते जा रहा है।

तो जवाब होगा कि ट्रंप जैसे अध कापाली नेता अमेरिका को ष्वर्गष के रूप में पेश करते हैं क्योंकि यह उच्च जीवन स्तर, आर्थिक अवसरों और कानून के शासन के लिए जाना जाता है, लेकिन यह धारणा चुनिंदा हैकृअमेरिका में भी गरीबी, असमानता और अपराध मौजूद हैं। भारत–चीन की आबादी और विकास चुनौतियां उन्हें नजरअंदाज कर 'नरक' कहना राजनीतिक प्रचार है, जबकि ये देश तेजी से उभर रही महाशक्तियां हैं। ट्रंप को यह समझ लेना चाहिए कि भारत नरक नहीं दुनिया का स्वर्ग है, सत्योंमुख मानवता का बैभव है! अहिंसा का पुजारी है। यहां शाकाहारी मिलते हैं, लेकिन ईसाईयत और इस्लाम की गुलामी के पश्चात यहां मांसाहारी बढ़े और निरीह पशु–पक्षियों की शामत आ गई। पहले धर्म आध ारित युद्ध होते थे, लेकिन षड्यंत्र उतना नहीं जितनी कि पिछले 1000–14000 वर्षों में दिखी। कड़वा सच है कि प्राचीन भारत और चीन दुनिया की सबसे समृद्ध सभ्यताओं में से थे, जिनकी समृद्धि व्यापार, संस्कृति, विज्ञान और वास्तुकला के प्रमाणों से सिद्ध होती है।

सांस्कृतिक आदान–प्रदान के तहत भारत से बौद्ध धर्म चीन पहुंचा, जहां फाह्यान (402 ईस्वी) और ह्वेनसांग जैसे चीनी यात्रियों ने नालंदा–तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालयों में अध्ययन किया और ग्रंथ अनुवादित किए। चीन में भारतीय प्रभाव वाले स्थल जैसे युंगांग–लॉगमेन गुफाएं, बिग गूस पगोडा और शाओलिन मंदिर इसकी गवाही देते हैं। वहीं, व्यापारिक समृद्धि के नजरिए से रेशम मार्ग (दक्षिणी समुद्री रूट सहित) से भारत–चीन के बीच रेशम, मसाले, मोती, लोहे के बर्तन और हस्तशिल्प का आदान–प्रदान होता थाय रामायण–महाभारत में भी चीन का उल्लेख सोने के भंडार के रूप में है।

गर्मी के कहर से बढा संकट

—अजय कुमार—

उत्तर प्रदेश में अप्रैल का अंतिम सप्ताह आग की लपटों भरा साबित हो रहा है। सूरज की तपिश ने आम आदमी को घर की चौखट से बाहर निकलने पर मजबूर कर दिया है, लेकिन बाहर निकलते ही पसीने की धाराएं बहने लगती हैं। इंसान ही नहीं, सड़कों पर भटकते कुत्ते, पेड़ों की डालियों पर तड़पते पक्षी और खेतों में लू के थपेड़ों से परेशान पशु भी इस गर्मी के सितम से जूझ रहे हैं। मौसम विभाग की चेतावनी ने हड़कंप मचा दिया है, दोपहर के समय बेवजह बाहर न निकलें, वरना जान जोखिम में पड़ सकती है। राज्य में पारा 45 डिग्री को छू चुका है और आने वाले दिनों में 47–48 तक पहुंचने की आशंका है। अमीरों के पास एयर कंडीशनर और कूलर हैं, लेकिन गरीब जनमानस, जो झोपड़ियों में रहता है, वह इस भट्ठी जैसे मौसम से कैसे जूझ रहा है? सभी जिलों में ऐसे गर्मी से पीड़ित लोगों की दास्तान एक जैसी नजर आ रही है।

लखनऊ की सड़कें दोपहर में वीरान हो जाती हैं। राजधानी का तापमान 44 डिग्री पार कर गया है। यहां के झुग्गी–झोपड़ी इलाकों में रहने वाले मजदूर रामू कहते हैं, साहब, दिन भर ठेला खींचते हैं, लेकिन दोपहर में छाया ढूंढते फिरते हैं। घर में तो पंखा भी गर्म हवा उड़ाता है। रामू जैसे हजारों लोग गर्मी से बचने के लिए पुराने कपड़ों से छत पर छाया बनाते हैं या नदी किनारे सोते हैं। बच्चे स्कूल से लौटते ही मिट्टी के घड़े से पानी पीते हैं। अमीर बस्तियों में कूलर की आवाज गूंजती है, लेकिन गरीबों के लिए एक गीला कपड़ा ही सहारा है। अस्पतालों में हीट स्ट्रोक के मरीज बढ़ रहे हैं। पिछले तीन दिनों में 50 से ज्यादा मामले दर्ज हो चुके हैं। महिलाएं रात को भी पसीने से तरबतर रहती हैं, नींद नहीं आती। वे कहती हैं, बच्चों को गोद में लेकर लेटती हैं, लेकिन गर्मी इतनी कि सांस लेना मुश्किल।

कानपुर में हालात और भयावह हैं। यहां का पारा 45.5 डिग्री तक पहुंच गया। चमड़ा उद्योग के मजदूरों का दर्द सबसे ज्यादा है। फूलपुर की तंग गलियों में रहने वाली शकुंतला बाई बताती हैं, घर में बिजली नहीं आती, पंखा चले तो भी क्या। दिन भर सड़क पर पानी बेचते हैं, लेकिन खुद को पानी नहीं मिलता। वे गर्मी से निपटने के लिए नीम की पत्तियां चबाती हैं और सिर पर गीला तौलिया बांधती हैं। बच्चे दोपहर में खेलना भूल गए हैं, बस घर के अंदर अंधेरे कमरे में दुबके रहते हैं। पशु चिकित्सालयों में गर्मी से मरते जानवरों की संख्या बढ़ रही है। कुत्ते और गायें लू के थपेड़ों से गिर पड़ी हैं। किसान खेतों में फसलें सूखते देख रो रहे हैं, लेकिन खुद भी डिहाइड्रेशन से जूझ रहे हैं। गंगा नदी किनारे लोग नहाने जाते हैं, लेकिन पानी भी गुनगुना हो चुका है।

वाराणसी के घाटों पर गर्मी ने घाटों को सुनसान कर दिया। पारा 46 डिग्री के करीब है। गंगा स्नान करने वाले श्रद्धालु अब सुबह जल्दी उतरते हैं, दोपहर में तो घाट खाली पड़े रहते हैं। काशी की गलियों में रहने वाले रिक्शा चालक रामप्रसाद कहते हैं, पैसेंजर नहीं मिलते, लेकिन भूखे नहीं सो सकते। गर्मी से सिर चकराता है, नमक–पानी का घोल पीते हैं। गरीब परिवारों में महिलाएं चूल्हा जलाना बंद कर देती हैं, बस ठंडे चावल खा लेती हैं। बच्चे स्कूल नहीं जाते, घर में लेटे रहते हैं। बुजुर्गों की हालत सबसे खराब है। वे छत पर सोने की कोशिश करते हैं, लेकिन हवा भी आग की तरह गर्म। गौशालाओं में गायें दम तोड़ रही हैं, चारा सूख चुका है। डॉक्टर सलाह देते हैं, नारियल पानी पिएं, लेकिन गरीबों के लिए वह भी महंगा साबित हो रहा है।

प्रयागराज में संगम का पानी भी गर्म हो गया है। कुंभ क्षेत्र के आसपास रहने वाले मजदूरों का जीवन नर्क बन गया। तापमान 45 डिग्री से ऊपर। झोपड़ियों में रहने वाली विधवा कमला कहती हैं, पति चले गए, अब ये गर्मी ही दुश्मन है। दिन भर पानी के टैंकर के इंतजार में खड़ी रहती हूं। बच्चे डायरिया से पीड़ित हो रहे हैं, अस्पताल भरे पड़े हैं।

कार्यालय ग्राम लबदहा वि.खं. हर्रैया, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **लबदहा** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **लबदहा** के निविदा बाक्स में दिनांक 02–05–2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 02:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 25–04–2026 से दिनांक 01–05–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **लबदहा** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **लबदहा** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **लबदहा** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(शिव कुमार यादव)
प्रधान
ग्राम पंचायत–**लबदहा**

(राम सुभाष वर्मा)
सचिव
ग्राम पंचायत–**लबदहा**

कार्यालय ग्राम खैरी ओझा वि.खं. हर्रैया, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **खैरी ओझा** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **खैरी ओझा** के निविदा बाक्स में दिनांक 04–05–2026 तक अपरान्ह 11:30 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 01:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 25–04–2026 से दिनांक 02–05–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **खैरी ओझा** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **खैरी ओझा** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **खैरी ओझा** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(अनीता देवी)
प्रधान
ग्राम पंचायत–**खैरी ओझा**

(राम सुभाष वर्मा)
सचिव
ग्राम पंचायत–**खैरी ओझा**

कार्यालय ग्राम मुईली वि.खं. हर्रैया, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **मुईली** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **मुईली** के निविदा बाक्स में दिनांक 01–05–2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 02:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 25–04–2026 से दिनांक 30–04–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **मुईली** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **मुईली** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **मुईली** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(ह्रदय लाल)
प्रधान
ग्राम पंचायत–**मुईली**

(संदीप चौधरी)
सचिव
ग्राम पंचायत–**मुईली**

कार्यालय ग्राम विक्रमजोत वि.खं. विक्रमजोत, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **विक्रमजोत** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **विक्रमजोत** के निविदा बाक्स में दिनांक 02–05–2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 02:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 25–04–2026 से दिनांक 01–05–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **विक्रमजोत** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **विक्रमजोत** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **विक्रमजोत** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(पतिराजी)
प्रधान
ग्राम पंचायत–**विक्रमजोत**

(शैलेन्द्रमणि त्रिपाठी)
सचिव
ग्राम पंचायत–**विक्रमजोत**

कार्यालय ग्राम केशवापुर वि.खं. हर्रैया, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **केशवापुर** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **केशवापुर** के निविदा बाक्स में दिनांक 01–05–2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 02:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 25–04–2026 से दिनांक 30–04–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **केशवापुर** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **केशवापुर** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **केशवापुर** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(अनीता चौधरी)
प्रधान
ग्राम पंचायत–**केशवापुर**

(राम सुभाष वर्मा)
सचिव
ग्राम पंचायत–**केशवापुर**

कार्यालय ग्राम त्रिलोकपुर तिवारी वि.खं. हर्रैया, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **त्रिलोकपुर तिवारी** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **त्रिलोकपुर तिवारी** के निविदा बाक्स में दिनांक 02–05–2026 तक अपरान्ह 11:30 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 01:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 25–04–2026 से दिनांक 01–05–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **त्रिलोकपुर तिवारी** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **त्रिलोकपुर तिवारी** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **त्रिलोकपुर तिवारी** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(सूरज कुमार)
प्रधान
ग्राम पंचायत–त्रिलोकपुर तिवारी

(राम सुभाष वर्मा)
सचिव
ग्राम पंचायत–त्रिलोकपुर तिवारी

कार्यालय ग्राम रमया वि.खं. हर्रैया, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **रमया** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **रमया** के निविदा बाक्स में दिनांक 04–05–2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 03:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 25–04–2026 से दिनांक 02–05–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **रमया** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **रमया** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **रमया** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(मंजू देवी)
प्रधान
ग्राम पंचायत–**रमया**

(राम सुभाष वर्मा)
सचिव
ग्राम पंचायत–**रमया**

कार्यालय ग्राम महादेवा वि.खं. हर्रैया, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **महादेवा** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **महादेवा** के निविदा बाक्स में दिनांक 02–05–2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 02:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 25–04–2026 से दिनांक 01–05–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **महादेवा** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **महादेवा** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **महादेवा** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(कुशलावती)
प्रधान
ग्राम पंचायत–**महादेवा**

(संदीप चौधरी)
सचिव
ग्राम पंचायत–**महादेवा**

गोरखपुर क्लब के मालिक के बेटे ने की खुदकुशी, गोडाउन में खुद को मारी गोली

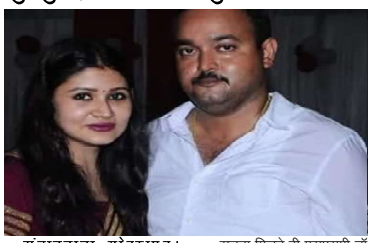

संवाददाता–गोरखपुर।

गोरखपुर क्लब के संचालक अतुल श्रीवास्तव के बेटे अमरीश श्रीवास्तव (40) ने शुक्रवार सुबह कुस्मही स्थित अपने फार्महाउस में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार, अमरीश सुबह करीब 9 बजे अपनी फॉर्चूनर कार से फार्महाउस पहुंचे। बताया जा रहा है कि वह मोबाइल पर किसी से बातचीत करते हुए ऊपर की मंजिल पर गए। कुछ ही देर बाद गोली चलने की आवाज सुनाई दी। आवाज सुनकर फार्महाउस के कर्मचारी मौके पर पहुंचे तो अमरीश खून से लथपथ फर्श पर पड़े थे। उनके हाथ में पिस्टल थी और गोली उनके चेहरे पर लगी थी। मौके पर ही उनकी मौत हो चुकी थी।

सूचना मिलते ही एसएसपी डॉ. कौस्तुभ और एसपी सिटी निमिष पाटिल पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और कर्मचारियों से पूछताछ कर मामले की जांच शुरू कर दी। मौके पर फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है, जो साक्ष्य जुटाने में लगी है। अमरीश श्रीवास्तव टेंट हाउस और ठेकेदारी का काम करते थे। उनकी कंपनी "एके टेंट हाउस" शहर के बड़े कार्यक्रमों और वीवीआईपी आयोजनों में सेवाएं देती थी। उनका निवास शहर के पार्क रोड पर है और कुस्मही में उनका फार्महाउस भी है, जहां वे अक्सर आते–जाते रहते थे। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

चंदा दिलाने के बहाने मदरसा के खाते में फ्राड के करोड़ों का लेन-देन

संवाददाता–संतकबीरनगर।

संतकबीरनगर जिले में साइबर अपराधी नित्य नए तरीके अपना कर अपने मकसद में कामयाब हो रहे है। बेलहर क्षेत्र में एक ऐसा मामला सामने आया है। जिसमें फ्राडरों ने मस्जिद व मदरसे के सुदृढ़ीकरण के लिए चंदा दिलाने के बहाने खाते खुलवाए और करोड़ों का लेन–देन किया। मामला तब खुला जब खाता होल्ड हो गया। मदरसा शिक्षक ने फ्राडरों पर कार्रवाई के लिए साइबर क्राइम थाने में प्रार्थना पत्र दिया है। साइबर थाने की दो सदस्यीय टीम ने मामले की जांच शुरू कर दी है।बेलहर क्षेत्र के लोहरसन के रहने वाले मसउदुल हसन पुत्र मोहम्मद सईद पेशे से मौलवी हैं। वे मसूद एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी लोहरसन में अध्यापक हैं। मौलवी मसउदुल हसन के मुताबिक मसूद एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी लोहरसन का बैंक खाता है। 06 मार्च 2026 को संतकबीरनगर और बस्ती के 05 लोग उसके घर आए और जर्जर मदरसे व मस्जिद का जिक्र किए। मदरसा और मस्जिद के जीर्णोद्धार के लिए चंदा दिलाने का झांसा दिए। चंदा दिलाने के बहाने उनसे बैंक खाता, पैन कार्ड, आधार कार्ड, चेक बुक, यूजर आईडी, पासवर्ड सिम मांगे। फ्राडरों के बहकावे में आकर वे बैंक खाता, पैन कार्ड, आधार कार्ड, चेक बुक, यूजर आईडी,

पासवर्ड सिम सब दे दिए। फ्राडर उन्हें आश्वस्त किए कि उनके खाते में चंदे की रकम भेजवाएंगे। जिससे वे अपने मस्जिद और मदरसे को बनवा लेंगे। 10 मार्च को बैंक गए और स्टेटमेंट निकलवाए तो पता चला कि उनके खाते में 02 करोड़ 21 लाख 96 हजार रुपये का ट्रांजक्शन हुआ है। खाते में जो रकम आया उसे फ्राडरों ने निकाल भी लिया है। यह भी पता चला कि खाते पर तमिलनाडु, दिल्ली, मुंबई, कर्नाटक आदि जगह से उनके बैंक खाते पर होल्ड लगा हुआ है। जब उन्होंने फ्राडरों से अपने खाते में करोड़ों के लेन–देन की बात करते हुए आपत्ति जताई तो उन्हें मारने–पीटने की धमकी देने लगे। उक्त सभी डॉक्यूमेंट उन्हीं फ्राडरों के पास ही है। वे झांसे में साइबर फ्राड के शिकार हो गए।मौलवी ने प्रकरण में फ्राडरों पर कार्रवाई के लिए साइबर क्राइम थाने पर पहुंच कर फरियाद की। साइबर थाने के एसओ जय प्रकाश चौबे ने बताया कि प्रकरण में प्रार्थना पत्र मिला है। साइबर क्राइम थाने की दो सदस्यीय टीम प्रकरण की गंभीरता से जांच कर रही है। जांच के बाद शीघ्र ही मामले में कार्रवाई की जाएगी। इसमें जो भी संलिप्त होगा, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। एसपी संदीप कुमार मीना ने कहा कि जागरूकता ही साइबर फ्राड से बचाव है। लालच और बहकावे में आकर किसी दूसरे को बैंक खाता, पैन, आधार कार्ड, सिम कार्ड, ओटीपी आदि नहीं बतानी चाहिए। साइबर फ्राड होने की जानकारी होते ही तत्काल अपने नजदीकी थाने और 1930 नंबर पर काल करके सूचना देनी चाहिए। साइबर फ्राड के मामले में पुलिस टीम जांच कर रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई होगी।

प्रेमी ने दुल्हन की गाड़ी रोकी, खाली हाथ लौटा दूल्हा

संवाददाता–अम्बेडकरनगर।

विदाई के बाद ससुराल जा रही दुल्हन की गाड़ी को प्रेमी ने बीच रास्ते रोक लिया। फिल्मी स्टाइल में कार के आगे बाइक लगा दी। कार का दरवाजा खोलकर दूल्हा–दुल्हन को बाहर निकाला। फिर दुल्हन को अपनी ओर खींचते हुए बोला– यह मेरी गर्लफ्रेंड है, मेरे साथ जा रही है। युवक की इस हरकत से दूल्हा हैरान रह गया। गुस्से में वह उससे भिड़ गया। लेकिन, प्रेमी ने सबूत के तौर पर अपने मोबाइल में रखे फोटो दिखाने शुरू कर दिए। बोला– हम दोनों को कोई अलग नहीं कर सकता। प्रेमी की इस हरकत से दुल्हन भी सन्न रह गई। उधर, गुस्से में दूल्हे ने अपने परिवार और ससुराल के लोगों को फोन कर बुलाया। दोनों पक्ष मौके पर पहुंचे, तो हंगामा शुरू हो गया। लेकिन, प्रेमी किसी भी सूरत में मानने को तैयार नहीं था। युवती के साथ के दो साल के रिलेशनशिप के फोटो दिखाते हुए वह उसे अपने साथ ले जाने की जिद करने लगा। मामला बिगड़ता देख पुलिस को सूचना दी गई। पूरे दिन पंचायत हुई। दूल्हे वालों ने सब कुछ जानने के बाद शादी तोड़ दी। बिना दुल्हन ही लौटने का फैसला किया। इसके बाद घरवाले लड़की को लेकर अपने गांव चले गए। वहीं, शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्रेमी का शांति भंग में चालान कर दिया। मामला अतीगंज थाना क्षेत्र के सैदपुर रज्जीपुर गांव का है। इसी कार से विदाई कराकर दूल्हा अपनी दुल्हन को लेकर जा रहा था। रास्ते में प्रेमी ने फिल्मी स्टाइल में गाड़ी के आगे अपनी बाइक लगा दी।

गोरखपुर एम्स की इमरजेंसी में अधिकतम 48 घंटे ही रखे जाएंगे रोगी, नई नीति लागू

संवाददाता–गोरखपुर।

एम्स की आपातकालीन सेवाओं को अधिक प्रभावी और व्यवस्थित बनाने के लिए नई व्यवस्था लागू की गई है। अब किसी भी मरीज को इमरजेंसी वार्ड में अधिकतम 24 से 48 घंटे तक ही रखा जाएगा। यदि रोगी को ट्रामा सेंटर भेजने की जरूरत पड़ी तो वहां भी उसके भर्ती रहने की अवधि 24 से 48 घंटे ही होगी। इसके बाद संबंधित विभागों के वार्ड में रोगी को शिफ्ट कर दिया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य गंभीर मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराना और इमरजेंसी वार्ड में बढ़ते दबाव को कम करना है। इमरजेंसी वार्ड में लंबे समय तक मरीजों के भर्ती रहने के कारण बेड लगातार भरे रहते थे। इससे नए और गंभीर मरीजों को तुरंत जगह नहीं मिल पाती थी और कई बार उन्हें अन्य अस्पतालों के लिए रेफर करना पड़ता था। इस समस्या को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है कि मरीजों को प्राथमिक उपचार देने के बाद उनकी स्थिति के अनुसार जल्द से जल्द संबंधित विभाग के वार्ड में स्थानांतरित किया जाए। इमरजेंसी में भर्ती मरीजों को शुरुआती 24 से 48 घंटों के भीतर आवश्यक जांच और उपचार दिया जाएगा। इसके बाद यदि मरीज की स्थिति स्थिर हो जाती है, तो उसे संबंधित विभाग में शिफ्ट कर दिया जाएगा। जिन मरीजों की हालत गंभीर बनी रहती है और जिनके लिए विशेष उपचार की आवश्यकता होती है, उनकी तबीयत स्थिर करने के बाद उन्हें अन्य उच्च चिकित्सा संस्थानों में रेफर किया जा सकता है।

एम्स प्रशासन का मानना है कि इस कदम से इमरजेंसी सेवाओं की कार्यक्षमता बढ़ेगी और अधिक से अधिक गंभीर मरीजों को समय पर इलाज मिल सकेगा। इससे बेड की उपलब्धता बेहतर होगी और आपातकालीन स्थिति में आने वाले मरीजों को अनावश्यक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। इसके साथ ही आम जनता से भी सहयोग की अपील की गई है। अस्पताल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इमरजेंसी विभाग का उपयोग केवल वास्तविक आपात स्थितियों, जैसे जीवन को खतरा होने पर ही किया जाना चाहिए। सामान्य बीमारी या परामर्श के लिए मरीजों को ओपीडी सेवाओं का ही उपयोग करना चाहिए। इससे इमरजेंसी में अनावश्यक भीड़ कम होगी और गंभीर मरीजों के लिए सेवाएं सुचारू रूप से उपलब्ध रह सकेंगी। यह व्यवस्था मरीजों की सुविधा के लिए लागू की गई है, ताकि उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। इमरजेंसी वार्ड में सीमित समय तक मरीजों को रखने से उपचार की प्रक्रिया तेज होगी और संसाधनों का बेहतर प्रबंधन किया जा सकेगा।

आंख है तो जहान है, गर्मी में करें आंखों की सुरक्षा

अत्याधुनिक मशीनों से लैश हुआ अयोध्या आई हॉस्पिटल बस्ती: गर्मी में नेत्र आपरेशन की पूरी सुविधा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पिछले 23 वर्षों से मणि मंदिर सेवा न्यास समिति द्वारा संचालित अयोध्या आई हॉस्पिटल आंखों के रोग के पूर्ण निदान के लिये अपनी सेवायें दे रहा है। प्रबंधक अविरल सिंह ने बताया कि अयोध्या आई हॉस्पिटल बस्ती में आँखों की सम्पूर्ण देखभाल अब और भी उन्नत सुविधाओं के साथ किया जा रहा है। आँखों के समग्र इलाज के लिये बस्ती का अयोध्या आई हॉस्पिटल मरीजों के लिये भरोसा जीत चुका है।

प्रबंधक अविरल सिंह ने बताया कि बस्ती जनपद में बिगत कई वर्षों से स्थापित अयोध्या आई हॉस्पिटल अत्याधुनिक सुविधाओं एवं अत्याधुनिक मशीनो से लैस है अब जल्द ही हॉस्पिटल में रेटीना के डाक्टर भी सेवायें देंगे, अभी तक रेटीना के डाक्टर न रहने के कारण रेटीना ऑपरेशन के लिए मरीजों को जिले से बाहर महानगरों की ओर जाना पड़ता था। मगर अब जल्द ही यह सुविधा बस्ती के अयोध्या आई हॉस्पिटल मणि मंदिर सेवा न्यास समिति द्वारा संचालित होंगी। बताया कि अन्य शाखाएं अन्य जनपदों में विस्तारित की जा रही है अभी तक बस्ती जनपद के अयोध्या आई हॉस्पिटल में प्रत्येक वर्ष कई हजार लोगों के प्रत्येक वर्ष सफल इलाज किया गया है । यह क्रम अनवरत जारी है।

बताया कि हास्पिटल के पास सभी प्रकार के आँख के ऑपरेशन में लगने वाले लेन्स उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं। यहाँ देशी ही नही बल्कि विदेशों में बने उच्च गुणवत्ता वाले लेंस उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं। मरीज अपनी जरूरत और बजट के अनुसार लेंस का चयन कर सकते हैं।

प्रबंधक अविरल सिंह ने बताया कि बस्ती के अयोध्या आई हॉस्पिटल में आंखों के रेटीना के डाक्टर की सुविधा जल्द होगी रेटीना ऑपरेशन के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि ग्लूकोमा, मोतियाविन्द, कम्प्यूटर विजन सिन्ड्रोम, चाइल्ड आई केयर एण्ड स्क्विन्ट, डायबिटिक आई डिजिज, ड्राई आई का उपचार अत्याधुनिक संसाधनों से किया जा रहा है। हास्पिटल में आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध है। आयुष्मान कार्ड न होने पर गरीब राशन कार्ड धारकों को न्यूनतम शुल्क पर ईलाज और आपरेशन की सुविधा उपलब्ध कराया जाता है। बड़ी संख्या में आखों का सफल आपरेशन निरन्तर जारी है।

अयोध्या आई हॉस्पिटल बस्ती के फेको रिफ्रेक्टिव सर्जन डा. दानिश टण्डन ने बताया कि इस गर्मी के मौसम में आपरेशन को लेकर लोगो की गलत धारणा बन चुकी है कि आपरेशन से आंखों को नुकसान पहुंचता है। अब फेको विधि से ऑपरेशन की सुविधा से गर्मी के मौसम में भी ऑपरेशन हो जाता है मरीज को बस डॉक्टर के बताए गए बातों को ध्यान में रखना है । आंखों व चश्मों की साफ सफाई और समय समय पर दवा का डोज देना चाहिए धूप और गर्मी से बचाव करते रहना चाहिए कोई भी परेशानी होने पर शीघ्र ही डॉक्टर की सलाह लेकर दवाई व आई ड्रॉप्स का इस्तेमाल करनी चाहिए ।

बताया कि अब मोतियाबिंद का ऑपरेशन कभी भी संभव है सर्दी का इंतजार नहीं! अनुभवी डॉक्टरों की टीम का कहना है कि यह एक भ्रम है कि मोतियाबिंद का ऑपरेशन केवल सर्दियों में ही कराना चाहिए। आज की आधुनिक तकनीकों जैसे कि फेको विधि और लेजर तकनीक की मदद से अब यह ऑपरेशन बिना टांके, कम समय में और किसी भी मौसम में किया जा सकता है , चाहे गर्मी हो या ठंड। उन्होंने बताया कि यदि आप मधुमेह या समलबाई से पीड़ित हैं तो आप अयोध्या आई हॉस्पिटल बस्ती के कुशल नेत्र विशेषज्ञ से अपने आंखों की नियमित जाँच अवश्य कराये। यदि आपकी उम्र चालीस वर्ष से अधिक हो तो आपको खतरा ज्यादा है। बताया कि आंखों को धूल , धुंआ , धूप से बचाए । एवं नियमित रूप आकर जांच कराए। आंख है तो जहान है। इससे समझौता नहीं करना चाहिये।

बस्ती के क्रिकेटर रविकान्त भट्ट कोच बनकर साउथ अफ्रीका रवाना, खिलाड़ियों में प्रसन्नता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती सदर विकास खण्ड क्षेत्र के मधुकरपुर निवासी ओम प्रकाश भट्ट के पुत्र रविकान्त भट्ट साउथ अफ्रीका में होने वाले एक दिवसीय दो मैच और टी. 20 के तीन मैच के लिये कोच के रूप में दिल्ली से रवाना हुये। रविकान्त भट्ट की इस सफलता से जनपद के क्रिकेट प्रेमियों में प्रसन्नता है। यह जानकारी देते हुये बस्ती वेटरेन्स क्रिकेट एसोसिएशन अध्यक्ष आलोक पाण्डेय ने बताया कि रविकान्त भट्ट के इस कदम ने इतिहास रच दिया है । उन्होने बस्ती जैसे ग्रामीण क्षेत्र से उन्होने कम सुविधाओं के बीच यह उपलब्धि हासिल किया। वे क्रिकेट के ऐसे खिलाड़ियों के लिये प्रेरणा बनेंगे जो स्थानीय स्तर पर खेल रहे हैं। बताया कि रविकान्त भट्ट आर.के. बी. नाम से दिल्ली में अनेक क्रिकेट एकेडमी संचालित कर युवाओं का खेल की दुनियां में भविष्य संवार रहे हैं। टी. 20 एशिया कप डेफ टीम के इण्डिया कोच के रूप में उन्होने टीम को सफलता दिलायी। इसके बाद उन्हें साउथ अफ्रीका में होने वाले एक दिवसीय दो मैच और टी. 20 के तीन मैच के लिये कोच के रूप में एसोसिएशन ने दायित्व सौंपा है।

रविकान्त भट्ट ने साउथ अफ्रीका दौरे पर जाने से पूर्व आलोक पाण्डेय को बताया कि उनके साथ हेड कोच देवदत्त और सहयोगी के रूप में सुशील गुप्ता भी शामिल हैं।

क्रिकेटर रविकान्त भट्ट की सफलता पर मुख्य रूप से चेयरमैन विक्रान्त भट्ट, जी.डी. मिश्रा, अमित शर्मा, अवधेश भट्ट, दुर्गेश श्रीवास्तव, रवि उपाध्याय, रवि तिवारी, आमिर खान, संजय , यादव, राजेन्द्र निषाद, अश्विनी मिश्र, विकास चौधरी, रवि तिवारी, राहुल पाल के साथ ही अनेक क्रिकेट खिलाडियों और खेल प्रेमियों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

महिला आयोग की अध्यक्ष ने की बैठक, दिए निर्देश

संवाददाता–गोरखपुर।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान और उपाध्यक्ष चारु चौधरी की अगुवाई में शुक्रवार को महिलाओं के मामलों को लेकर विकास भवन सभागार में समीक्षा हुई। इस दौरान पुलिस की तरफ से महिलाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम भी चलाया गया। महिला आयोग की टीम ने उत्पीड़न के साथ ही एआई और मानव तस्करी के मामलों पर चर्चा की। इस दौरान महिला आयोग की सदस्य गीता बिंद, सुनीता सैनी, संगीता जैन, सपना कश्यप, मीनाक्षी भराला, प्रतिभा कुशवाहा, एकता सिंह, सुजीता कुमारी, सुनीता श्रीवास्तव, रेणु गौड़, गीता विश्वकर्मा, अनीता गुप्ता, मीना कुमारी, ऋतु शाही, नीलम प्रभात, पुष्पा पांडेय, पूनम द्विवेदी, अनुपमा सिंह लोधी आदि की उपस्थित रही।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थिनी सुशीला पुत्री राम तेज ग्राम –कसैला थाना नगर जनपद–बस्ती उत्तर प्रदेश की निवासिनी है। मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद हाई स्कूल वर्ष –2006 अनुक्रमांक –2066598 का प्रमाण पत्र–सह–पत्र–अंक पत्र वास्तव में खो गया है।

दो पक्षों में खूनी संघर्ष, तलवार–चाकू से हमला, चार घायल

संवाददाता–गोरखपुर। एम्स थाना क्षेत्र के कुस्मही बाजार स्थित रामजानकी मंदिर के पास शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि एक पक्ष ने तलवार और चाकू से हमला कर दिया, जिसमें चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में कालीचरण, गोविंद, सोनू और गुड्डू शामिल हैं। सभी कुस्मही मार्केट के निवासी बताए जा रहे हैं। गुड्डू कसीधन बजरंग दल से जुड़े हैं बीच–बचाव के दौरान उन्हें चोट आई है। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है।दूसरे पक्ष के सदाम और जब्बार समेत पांच लोगों पर हमला करने का आरोप है।

घटना के बाद से सभी आरोपी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में दबिश दे रही है। तीन संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।बताया जा रहा है कि गुरुवार शाम करीब 3 बजे ओंटो में सवारी बैठाने को लेकर कालीचरण और सदाम के बीच विवाद हुआ था। शुक्रवार सुबह कालीचरण का भाई गोविंद जायसवाल जब इस मामले में बात करने सदाम के घर पहुंचा, तो विवाद बढ़ गया और मारपीट शुरू हो गई। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने गोरखपुर–कसया रोड जाम कर दिया।सूचना पर एम्स थाना पुलिस के साथ एसपी सिटी निमिष पाटिल, सीओ कैंट और भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और लोगों को समझाकर स्थिति नियंत्रित की। परिजनों ने आरोप लगाया है कि हमलावरों के घर में भारी मात्रा में हथियार हैं, जिनकी बरामदगी की मांग की गई है। घटना की जानकारी मिलते ही चौरीचौरा विधायक सरवन निषाद भी मौके पर पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। सुरक्षा के मद्देनजर क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते कारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 बस्ती

जिला–बस्ती

मूलवाद सं0–212/2016

कमला प्रसाद

बनाम

चन्द्रप्रकाश आदि

1. चन्द्रप्रकाश पुत्र श्री भगेलू 2. लालजी उर्फ गोपालजी पुत्र राममिलन 3. विमल प्रकाश मृतक पुत्र दसई उर्फ रामदास 3/1 निर्मला देवी बेवा विमल प्रकाश 3/2 दिनेश 3/3 प्रदीप 3/4 अनुज पुत्रगण स्व0 विमल प्रकाश 4. तारा प्रकाश मृतक पुत्र दसई उर्फ रामदास 4/1 सुशीला देवी बेवा तारा प्रकाश 4/2 राजेश कुमार 4/3 अखिलेश कुमार पुत्रगण स्व0 तारा प्रकाश 4/4 गुंजा पुत्री स्व0 तारा प्रकाश 5. सूर्य प्रकाश 6. ओम प्रकाश 7. शत्रुघ्न 8. प्रेम प्रकाश पुत्रगण भगवान दास साकिनान मुस्तफाबाद तप्पा कलवारी परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 26–05–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 26 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाफिक किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सरुश हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बस्खत मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 23 माह 04 सन 2026 ई0 जारी किया गया। –द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)

अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती

जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0– 243/2023

कृष्णजीवन

बनाम

उ0प्र0 राज्य विद्युत आदि

1. उ0प्र0 राज्य विद्युत परिषद जरिये इक्जीक्यूटिव इंजीनियर विद्युत वितरण खण्ड द्वितीय बस्ती 2. अधिशाषी अभियंता विद्युत वितरण खण्ड द्वितीय बस्ती 3. सहायक इंजीनियर विद्युत वितरण खण्ड द्वितीय बस्ती 4. जूनियर इंजीनियर विद्युत वितरण खण्ड द्वितीय बस्ती 5. सहायक अभियन्ता राजस्व विद्युत वितरण खण्ड द्वितीय बस्ती 6. उ0प्र0 राज्य विद्युत परिषद जरिये अधिशाषी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड प्रथम बस्ती 7. अधिशाषी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड प्रथम बस्ती 8. सहायक अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड प्रथम बस्ती 9. अवर अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड प्रथम बस्ती 10. सहायक अभियन्ता राजस्व विद्युत वितरण खण्ड प्रथम बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 02–05–2026

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 02 माह 05 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाफिक हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुदी की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 23 माह04 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अम्बरीश श्रीवास्तव के निधन पर मुख्यमंत्री ने जताया शोक

संवाददाता–गोरखपुर। श्री चित्रगुप्त मंदिर सभा के मंत्री एवं सिविल लाइंस पार्क रोड निवासी अम्बरीश श्रीवास्तव के आकस्मिक निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोक जताया है। अम्बरीश श्रीवास्तव के पिता अजय कुमार श्रीवास्तव (अतुल) को भेजे गए संवेदना पत्र में मुख्यमंत्री ने कहा है कि पुत्र का निधन किसी भी परिवार के लिए अपूरणीय क्षति एवं पीड़ादायक होता है। मुख्यमंत्री ने महायोगी गुरु गोरक्षनाथ से दिवंगत आत्मा को चिर शांति प्रदान करने तथा शोक संतप्त परिजनों को इस अपार दुख को सहन करने में शक्ति देने की प्रार्थना की है।

बच्चों को गुड टच–बैड टच और साइबर सुरक्षा की जानकारी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। थाना गोल्हौरा क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय एकडेंगवा में शुक्रवार को मिशन शक्ति फेज 5.0 द्वितीय चरण अभियान के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय के छात्र–छात्राओं को गुड टच–बैड टच, महिला संबंधी अपराध और साइबर अपराध तथा उनसे बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। यह कार्यक्रम वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन में थाना गोल्हौरा की मिशन शक्ति टीम द्वारा आयोजित किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी इटवा प्रवीण प्रकाश के मार्गदर्शन में थानाध्यक्ष रामदेव के नेतृत्व में यह अभियान संचालित हुआ। मिशन शक्ति टीम ने बच्चों को बताया कि किसी भी प्रकार की गलत हरकत, छेड़छाड़ या ऑनलाइन ठगी की स्थिति में तुरंत सतर्क रहें और बिना किसी झिझक के मदद लें। साथ ही, छात्र–छात्राओं को आत्मरक्षा, जागरूकता और साहस के महत्व पर भी बल दिया गया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर

पत्रांक 152/न0पा0परि0सि0न0/2025–26 दिनांक 24–04–2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्वसम्बन्धित को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद, सिद्धार्थनगर में राज्य वित्त आयोग/निकाय निधि अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से नगर पालिका सीमान्तर्गत कराये जाने वाले निर्माण कार्यों हेतु नगर पालिका कार्यालय द्वारा अल्प कालीन निविदा दिनांक 14–05–2026 को समय 2.00 बजे तक अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर आमंत्रित किया जाता है। जो उसी दिनांक को समय 3.00 बजे अधोहस्ताक्षरी के समक्ष उपस्थित निविदादाताओं/उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जायेगा। निविदादाता एक या एक से अधिक कार्यों हेतु निविदा डाल सकता है। निर्माण कार्य से सम्बन्धित जानकारी किसी भी कार्य दिवस पर प्राप्त किया जा सकता है। कार्य का विवरण निम्नवत् है–

क्र0 सं0	कार्य का नाम	आगणन की धनराशि (रू0 लाख)	जमानत धनराशि (10 प्रतिशत)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6
1	सिहेश्वरीपुरम वार्ड में के0के0मार्ट से दिनेश यादव के मकान तक इण्टरलाकिंग व नाली का निर्माण कार्य।	4.22	42200.00	430.00	कार्यादेश की तिथि से तीन माह के भीतर
2	सिहेश्वरीपुरम वार्ड में मंडी समिति मार्ग से पोखरे के बगल में नाली का निर्माण कार्य।	4.14	41400.00	420.00	,,

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
सिद्धार्थनगर

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
सिद्धार्थनगर

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com